



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 102]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 19, 1991/माघ 30, 1912

No. 102]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 19, 1991/MAGHA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

प्रविसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1991

का.प्र. 111(अ).—केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार नियम, 1970 के नियम 4क के उपनियम (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (कंपनी कार्य विभाग) की प्रविसूचना संख्या 80(अ) तारीख 3 मार्च, 1986 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त प्रविसूचना की प्रनुसूची में, क्रम संख्यांक 50 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्यांक और प्रविष्टियां जोड़ी जाएंगी, अर्थात्:—

क्रम सं.	उद्योग का नाम	विस्तृत ब्रेड-वर्जन के अन्तर्गत विनिर्माण के लिये प्रनुज्ञात मर्दे
1	2	3
"51	पूर्णतः या भागतः जूट से जिनमें जूट, सुतली और रस्सी है से बनी टेक्सटाइल्स (जिनमें वह भी हैं जो रंजित, छपी हुई या अन्यथा प्रसंस्कृत की गई हों)	बोग, हैसियत, जूट सुतली और जूट रस्सी जैसी परंपरागत जूट पैकेजिंग सामग्री को छोड़कर जूट-जूट मिश्रित सूत जूट मिश्रित सजावटी फॅब्रिक, बस्ती के लिये जूट आधारित फॅब्रिक, जूट पटसन, जूट कालीन जूट कम्बल और जूट नमदा जैसे जूट उत्पादों के विनिर्माण के लिये सभी फाइबरों का उपयोग जाहे वे प्राकृतिक मानव निमित्त या अपारंपरिक हों, अर्थात्:— कपास, ऊन, संश्लिष्ट, मत्त, रेमी, प्रभन्नास पत्ती और इन फाइबरों से बने अन्य फाइबर और सूत)

1	2	3
52.	टैक्सटाइल्स (जिसमें वह भी है जो रंजित छपी हुई या अन्यथा प्रसंस्कृत की गई हों) :— (1) पूर्णतः या भागतः कपास से बनी, जिसमें सूती सूत होजियरी और, रस्सी हैं; (2) पूर्णतः या भागतः ऊन, से बनी हुई जिसमें दीर्घ ऊन, उनी सूट, होजियरी, कालीन और मोटा ऊनी वस्त्र है; (3) पूर्णतः या भागतः मानव निर्मित कृत्रिम संश्लिष्ट काइबर से बनी (जिसमें ऐसे काइबर का सूत और होजियरी है)।	मोटा, हैमियन, जूट सुतर्वा और जूट रस्सी जैसी परंपरागत जूट पैकेजिंग सामग्री को छोड़कर जूट, जूट मिश्रित सूत, जूट मिश्रित सजावटी फैब्रिक, बन्धो के लिये जूट आधारित फैब्रिक जूट पटलन, जूट, कालीन, जूट कंबल और जूट नमवा जम जैसी उत्पादों के विनिर्माण के लिए जूट काइबरों और अपारंपरिक अर्थात् सन, रेमी अनन्तास पत्ती भावि और इन काइबरों से बने सूत का उपयोग।”

[संख्या 5/25/89-एम1]

एस. वी. सिंह, उप सचिव

टिप्पण : मूल अधिसूचना सं. 80(अ) भारत के राजपत्र अध्याधारण भाग 2 खंड 3 उपखंड (ii) में तारीख 3-3-1986 को प्रकाशित की गई थी जिसमें निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा पश्चात्कर्ती संशोधन किये गये :—

- (1) का.आ. 919(अ) तारीख 16-12-1986
- (2) का.आ. 300(अ) तारीख 2-4-1987
- (3) का.आ. 1006(अ) तारीख 1-11-1988
- (4) का.आ. 1204(अ) तारीख 27-12-1988
- (5) का.आ. 140(अ) तारीख 2-2-1989
- (6) का.आ. 491(अ) तारीख 28-6-1989
- (7) का.आ. 747(अ) तारीख 19-9-1989
- (8) का.आ. 839(अ) तारीख 19-10-1989
- (9) का.आ. 230(अ) तारीख 16-03-1990

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 1991

S.O. 111(E).—Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient so to do in the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-rule (5) of rule 4A of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following amendments to the Notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Company Affairs) No. 80 (E), dated the 3rd March, 1986, namely:—

In the schedule to the said notification, after serial number 50 and the entries relating thereto, the following serial numbers and the entries shall be added, namely:—

S. No.	Name of the Industry	Items permitted for manufacture under broad banded description
1	2	3
“51.	Textiles (including those dyed, printed or otherwise processed) made wholly or in part of jute, including jute, twine and rope.	Utilisation of all fibres whether natural, man-made or non-conventional, namely, cotton, wool, synthetic, flax, ramie, pineapple leaves and other fibres and yarn made of these fibres for manufacture of jute

1	2	3
		products such as jute, jute blended yarn, jute, ute blended decorative fabrics, jute based fabrics for garments, jute laminates, jute carpets, jute blankets and jute felt except for traditional jute packaging materials like sacking, hessian, jute twine and jute rope.
52. Textiles (including those dyed, printed or otherwise processed):—		Utilisation of jute fibres and non-conventional fibres namely flax, ramie, pineapple leaves etc. and yarn made of these fibres for the manufacture of jute products such as jute, jute blended decorative fabrics, jute based fabric for garments, jute laminates, jute carpets, jute blankets and jute felt except for traditional jute packaging materials like sacking, hessian, jute twine and jute rope."
(i) made wholly or in part of cotton, including cotton yarn, hosiery and rope;		
(ii) made wholly or in part of wool, including wool tops, woollen yarn, hosiery, carpets and druggets;		
(iii) made wholly or in part of synthetic artificial (man made fibre, including yarn and hosiery of such fibres).		

[No. 5/25/89 M-I]

S.B. SINGH, Dy. Secy.

NOTE: The principal Notification No. 80(E) was published in part-II, Section 3, Sub-section (ii) of the Gazette of India Extraordinary on 3-3-1986, as subsequently amended by Notification Nos. :—

- (i) S.O. 919(E) dated 16-12-1986
- (ii) S.O. 300(E) dated 2-4-1987
- (iii) S.O. 1006(E) dated 1-11-1988
- (iv) S.O. 1204(E) dated 27-12-1988
- (v) S.O. 140 (E) dated 2-2-1989
- (vi) S.O. 491 (E) dated 28-6-1989
- (vii) S.O. 747(E) dated 19-9-1989
- (viii) S.O. 839 (E) dated 19-10-1989
- (ix) S.O. 230(E) dated 16-3-1990.

